भारत विकास परिषद् का 63वां स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने 'तिरुक्कुरल' को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित करने की माँग की है। इसके साथ ही उन्होंने नई दिल्ली में एक समर्पित संस्थान स्थापित करने की वकालत की, ताकि महान कवि-दार्शनिक तिरुवल्लुवर के दर्शन और मूल्यों का व्यापक प्रचार हो सके।

Result Mitra

मुख्य बिंदु :

- यह संस्था 63 वर्षों से समाज में सेवा और संगठन के माध्यम से सज्जन शक्ति का निर्माण कर रही है।
- परिषद् ने सेवा को संगठन, संगठन को संस्कार, और संस्कार को राष्ट्र निर्माण से जोड़ा है।
- श्री शाह ने बताया कि परिषद् का कार्य भारतीयता को हर भारतीय से जोड़ने का है, और यह अपने कार्यों में बिना किसी प्रसिद्धि की चाहत के कार्य करता है।
- परिषद् "समर्पण", "संगठन", और "संस्कार" के गुणों के साथ स्वामी विवेकानंद के विचारों का पालन कर समाज में सज्जन शक्ति का निर्माण कर रहा है।

- इस अवसर पर मणिपुर के स्वतंत्रता सेनानी श्री हेमम नीलमणि सिंह को मरणोपरांत सम्मानित किया गया। श्री हेमम नीलमणि सिंह ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के आह्वान पर आज़ाद हिंद फ़ौज में शामिल होकर स्वतंत्रता संग्राम में योगदान दिया। वर्ष 1946 में जेल से रिहा होकर वह मोइरंग लौटे और बाद में सेवा, शिक्षा और सहकारिता को अपने जीवन का आधार बनाया।
- श्री शाह ने प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के 11 साल के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए बताया कि इस दौरान 55 करोड़ से अधिक लोगों के बैंक खाते खोले गए, 15 करोड़ घरों में शुद्ध पेयजल पहुंचाया गया, और 12 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए।
- मोदी जी ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राजपथ का नाम कर्तव्य पथ रखा और औपनिवेशिक विरासत से मुक्ति के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए।
- मोदी सरकार ने नई एजूकेशन पॉलिसी में मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ AI और साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में देश को नई गति दी है।
- भारत विकास परिषद के बारे में

भारत विकास परिषद (Bharat Vikas Parishad - BVP)

- एक सेवा-उन्मुख, संस्कार-आधारित, गैर-राजनीतिक, सामाजिक-सांस्कृतिक स्वयंसेवी संगठन है।
- इसकी स्थापना 12 जनवरी 1963 को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर हुई थी।
- इसकी शुरुआत 'सिटिजन्स काउंसिल' के रूप में हुई थी, जिसका उद्देश्य चीन के आक्रमण के खिलाफ नागरिकों को संगठित करना था। बाद में इसे 'भारत विकास परिषद' के रूप में पुनः नामित किया गया और 10 जुलाई 1963 को एक पंजीकृत संस्था के रूप में स्थापित किया गया।
- संस्था का आदर्श वाक्य है: "स्वस्थ, सक्षम और संस्कारित भारत"।
- संस्था के कार्य दो मुख्य श्रेणियों में विभाजित हैं:
- **सेवा (Sewa):** विकलांगों के लिए कृत्रिम अंग निर्माण और वितरण, ग्रामीण विकास, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान, आपदा राहत, और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान।
- **संस्कार (Sanskar):** संस्कार शिविरों का आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, और विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्तियाँ प्रदान करना।
- संस्था को विभिन्न राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिनमें 1995 और 2004 में राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए गए राष्ट्रीय पुरस्कार, 2007 में FICCI पुरस्कार, और 2008 में 'निर्मल ग्राम पुरस्कार' शामिल हैं।

Result Mitra

स्वामी विवेकानंद के बारे में

- इनका जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था, और इनका वास्तविक नाम नरेंद्रनाथ दत्त था।
- स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति, वेदांत और योग को पश्चिमी दुनिया में प्रस्तुत किया और भारतीय समाज में जागरूकता और आत्मविश्वास का संचार किया।
- इन्होंने रामकृष्ण परमहंस को अपना गुरु माना और संन्यास लेने के बाद अपना नाम 'विवेकानंद' रखा।
- स्वामी विवेकानंद ने 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उनका उद्घाटन भाषण "आपके अमेरिकी बहनों और भाइयों" से शुरू हुआ, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस भाषण में उन्होंने धार्मिक सहिष्णुता, मानवता और भारतीय संस्कृति की महानता की बात की। यह भाषण आज भी एक ऐतिहासिक घटना के रूप में याद किया जाता है।
- स्वामी विवेकानंद ने 1 मई 1897 को रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य समाज सेवा, शिक्षा और मानवता की सेवा करना था। उन्होंने रामकृष्ण मठ की भी स्थापना की, जो एक आध्यात्मिक केंद्र के रूप में कार्य करता है।
- स्वामी विवेकानंद का निधन 4 जुलाई 1902 को बेलूर मठ में हुआ। उनका जीवन छोटा था, लेकिन उन्होंने अपने विचारों और कार्यों के माध्यम से भारतीय समाज और विश्व को एक नई दिशा दी। उनकी जयंती 12 जनवरी को 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाई जाती है, जो युवाओं को प्रेरित करने और उनके योगदान को सम्मानित करने का दिन है।